No. of Printed Pages : 4

ई.एच.डी.-2

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

04784

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर- 2011

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.- 2 : हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

(कुल का 70%)

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *है। शेष* ***किन्हीं चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से ***किन्हीं तीन*** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : **12x3=36**

(क) संतौ भाई आई ज्ञान की आँधी रे ।

भ्रम की टाटी सबै उड़ानी, माया रहै न बाँधी।

हिति चत की द्वै थूनी गिरानी, मोह बलीडा तूटा।

त्रिस्ना छानि परी धर ऊपरी, कुबधि का भांडा फूटा।

जोग जुगति करि संतौ बाँधी, निरचू चुवै न पांणी।

कूड़ कपट काया का निकस्या, हरि की गति जब जाणी।

आँधी पीछै जौ जल बूड़ा प्रेम हरी जन-भीना।

कहै कबीर मान के प्रगटे, उदित भया तम बीना।

(ख) तनक हरि चितवाँ म्हारी ओर।

हम चितवाँ थे चित वो णाहरि, द्विवणों बड़ो कठोर।

म्हारी आसा चितवनि थारी, और ना दूजा दोर

ऊम्याँ ठाड़ी अरज करूँ छँ, करतां करतां मोर।

मीरा रे प्रभु हरि अविनासी, देस्यूँ प्राण अकोर

(ग) नहीं पराग नहि मधुर मधु नहिं विकास इहि काल।

अली कली ही सौं बंध्यो आगे कौन हवाल।

मेरी भव बाधा हरौ राधा-नागरी सोइ।

जा तन की झाँई परै स्याम हरित दुति होइ।।

कहत, नटत, रीझत, रिवजत मिलत खिलत, लजियात।

भरे मौन में करत है नैनन ही सौं बात।।

(घ) मैं ढूँढता तुझे था जब कुंज और वन में,

तू खोजता मुझे था तब दीन के वदन में,

तू आह बन किसी की मुझको पुकारता था।

मैं था तुझे बुलाता संगीत में भजन में।

मेरे लिए खड़ा था दुखियों के द्वार पर तू,

मैं बाट जोहता था तेरी किसी चयन में।

बनकर किसी के आँसू मेरे लिए बहा तू

मैं देखता तुझे था माशूक के बदन में।

(ङ) आया मौसम खिला फ़ारिस का गुलाब
बाग पर उसका जमा था रौबदाब
वहीं गंदे में उगा देता हुआ बुत्ता
पहाड़ी से उठा सर ऐंठ कर बोला कुकुरमुत्ता
"अबे, सुन बे, गुलाब
भूल मत, गर पाई खुशबू रंगोआब
खून चूसा खाद का तूने अशिष्ट
डाल पर इतरा रहा है कैपीटलिस्ट
कितनों को तूने बनाया है गुलाम,
माली कर रक्खा, सहाया जाड़ा घाम
हाथ जिसके तू लगा,
पैर सर पर रख वह पीछे को भगा।

2. भक्ति के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए भक्ति काव्य की विशेषताएँ बताइए। 16

3. मलिक मोहम्मद जायसी की काव्यगत विशेषताएँ बताइए। 16

4. तुलसी के काव्य में लोकमंगल के भाव का विवेचन कीजिए। 16

5. भारतेन्दु युगीन कविता की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 16

6. "जयशंकर प्रसाद छायावाद के प्रतिनिधि कवि हैं"। इस कथन की समीक्षा कीजिए। 16

7. मुक्तिबोध के काव्य की संवेदना और शिल्प का परिचय दीजिए। 16

8. 'नयी कविता' का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसकी प्रमुख प्रवृत्तियों की चर्चा कीजिए। 16

9. प्रबंध काव्य की दृष्टि से कुरूक्षेत्र का मूल्यांकन कीजिए। 16

10. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर टिप्पणी लिखिए। 8x2=16

(क) अपभ्रंश काव्य

(ख) सूरदास

(ग) रीति मुक्त काव्य

(घ) प्रगतिवाद

(ङ) नरेश मेहता